भारत सरकार लोक सभा

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अतारांकित प्रश्न सं. 2903

वाणिज्य विभाग

<u>दिनांक 15 दिसंबर,2021 को उत्तर दिए जाने के लिए</u>

चीन की वस्तुओं पर प्रतिबंध

2903 . श्री गोपाल शेट्टी :

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चीन विरोधी भावना के बढ़ने के कारण भारत में सभी तरफ से चीनी सामानों के बहिष्कार या प्रतिबंध की मांग की जा रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को जून, 2020 में चीन की सभी वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए जन प्रतिनिधियों से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है/किए जाने का प्रस्ताव हैं ?

उत्तर

<u>वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री</u>

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग) : चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों का उल्लेख करते हुए चीन की वस्तुओं के आयात का बहिष्कार करने के लिए जनता और उद्योग से कुछ अभ्यावेदन/सुझाव दिए गए हैं। जून 2020 में, एक माननीय सांसद से भी एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ जिसमें लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुई गतिविधि के आलोक में सभी चीन की वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने/बहिष्कार करने का आह्वान किया गया ।

(घ) भारत सरकार, समय-समय पर, राष्ट्रीय हित से संबंधित वस्तुओं सहित वस्तुओं के आयात को विनियमित करने के लिए उचित उपाय करती है। भारत और चीन, दोनों विश्व व्यापार संगठन के सदस्य हैं, और कोई भी अधिरोपित व्यापार प्रतिबंध विश्व व्यापार संगठन के अनुरूप होना चाहिए। सरकार ने समय-समय पर समीक्षा की है और समग्र वैश्विक व्यापार कार्यनीति बनाने हेतु विभिन्न हितधारकों द्वारा उठाई गई समस्याओ का समाधान करने के लिए विश्व व्यापार संगठन के अनुरूप उपाय (नीति और व्यापार उपचार दोनों) किए हैं। घरेलू क्षमताओं का समर्थन और विस्तार करने के लिए, सरकार ने आत्मनिर्भर भारत नीति के अनुरूप घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु नीतियां जैसे उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम लागू की है।

****